ओडिशा का 'ड्रिंक फ्रॉम टैप' मिशन

स्रोत: डाउन टू अर्थ

वर्ष 2017 में ओडिशा सरकार ने अपना अग्रणी 'ड्रिंक फ्रॉम टैप' मिशन शुरू किया, जिससे यह घरेलू **नल कनेक्शन पर पीने के** पानी की गुणवत्ता **सुनिश्चित करने वाला भारत का पहला और एकमात्र राज्य** बन गया।

- इस पहल का उद्देश्य शहरी पेयजल आपूर्ति में बदलाव लाना, जलजनित बीमारियों से निपटना एवं वित्तीय तनाव से राहत दिलाना है। यह सीधे नल से उच्च गुणवत्ता वाले **पीने के पानी तक 24x7 पहुँच** प्रदान करता है, जिससे लागत और समय में कमी के साथ निस्पंदन अथवा उबालने की आवश्यकता भी समाप्त हो जाती है।
- वर्तमान में आठ शहरों में **2.55 मिलियन लोगों को कवर** करते हुए, इस मिशन का **लक्ष्य 2024 के अंत तक शहरी ओडिशा में 4.1 मिलियन लोगों तक पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराना** है।
- वास्तविक समय की निगरानी पीने के पानी के लिये भारतीय मानक (IS) को लागू करती है, घुलनशील एवं अघुलनशील घटकों के लिये अनुमेय सीमा बनाए रखती है और साथ ही सुरक्षित खपत भी सुनिश्चित करती है।
- **'जल साथी' कार्यक्रम** जैसी सामुदायिक भागीदारी पहल सेवा वितरण एवं व्यवहार परिवर्तन की सुविधा के लिये स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सूचीबद्ध करती है।
- यह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स द्वारा तृतीय-पक्ष मूल्यांकन परियोजना के महत्त्व एवं प्रतिकृति की क्षमता पर प्रकाश डालता है।

और पढ़ें... जल प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं का सार-संग्रह - 3.0

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/odisha-s-drink-from-tap-mission